ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)

बुलेटिन संख्या-४३
दिनांक- मंगलवार, १९ जून, २०१८

टेलीफोन - ०६२७४-२४०२६६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३७.६ एवं २६.५ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८१ सुबह में एवं दोपहर में ५१ प्रतिशत, हवा की औसत गति ६.८ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ६.४ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ८.८ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २९.७ एवं दोपहर में ३६.४ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(२० से २४ जून, २०१८)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी २० से २४ जून २०१८ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पूर्वानूमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में मौसम के आमतौर पर शुष्क रहने का अनुमान है एवं २२ जून के बाद उच्च तापमान एवं लू की स्थिति समाप्त हो सकती है। इसके बाद (२२ जून के बाद) वर्षा की सक्रियता में हल्की वृद्धि हो सकती है, जिसके चलते मधुबनी जिला में हल्की से मध्यम वर्षा होने का अनुमान है। उत्तर बिहार के बाकी जिलों में कहीं-कहीं हल्की वर्षा हो सकती है। वर्तमान मौसम की स्थिति के आधार पर मानसून का आगमन उत्तर बिहार के जिलों में २४-२६ जून तक होने का अनुमान है।
- २३ जून तक अधिकतम तापमान ३९ से ४१ डिग्री सेल्सियस के आसपास बने रहने की संभावना है, हलाकि, इसके बाद तापमान में थोड़ी गिरावट आ सकती है। पूर्वानुमानित अवधि में न्यूनतम तापमान २७ से २९ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है।
- औसतन १० से १५ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्य रुप से पूरवा हवा चलने का अनुमान है। बेगुसराय एवं समस्तीपुर जिलों में पछिया हवा भी चल सकती है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में करीब ७५ से ८५ प्रतिशत तथा दोपहर में ४० से ६० प्रतिशत रहने की संभावना है।

समसामयिक सुझाव

- पूर्वानुमानित अवधि में उच्च तापमान एवं अनावृष्टि/अल्पावृष्टि के कारण वसंतकालीन ईख की फसल में कल्ला-छिद्रक कीटों का प्रकोप हो सकता है। इस स्थिति में ईख की फसल में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। सूखे हुए पिहाका को जमीन से २ से ३ इंच ऊपर खुरपी से काटकर निकाल दें।
- खरीफ मौसम की सब्जियॉ जैसे- कद्दू, नेनुआ, झींगली, खीरा लगाने के मौसम अनुकुल है। इसके लिए किसान भाई मिट्टी परिक्षण के आधार पर ही खाद का प्रयोग करें। मिट्टी परिक्षण न होने की स्थिति में प्रति हेक्टेयर २०-२५ टन सढ़ा हुआ गोबर की खाद का प्रयोग करें। प्रति हेक्टेयर ६० किलो ग्राम नेत्रजन, ५० किलो ग्राम फॉस्फोरस एवं ४० किलो ग्राम स्फूर का उपयोग करें। फसल ३ मी० x १ मी० की दूरी पर लगायें। प्रति थाल २-३ मी० बीच पर बोयें।
- खरीफ प्याज की खेती के लिए नर्सरी (बीजस्थली) की तैयारी करें। स्वस्थ पौध के लिए र्नसरी में गोबर की खाद अवश्य डाले। खरीफ प्याज के लिए एन० -५३, एग्रीफाउण्ड डीक रेड, अर्का कल्याण, भीमा सुपर किस्में अनुशंसित है। बीज गिराने के पूर्व बीजोपचार कर लें। बीज की दर ८-१० कि०ग्रा० प्रति हे० रखें।
- बरसाती भिंडी फसल लगाने का समय अनुकूल है। इसके लिए अर्का अभय, पंत भिडी-१, काशी लीला किस्में उपयुक्त है। इस फसल में मौजेक एवं फल छेदक कीट काफी नूकसान पहुचाते है। रोकथाम के लिए मैलाथियन दवा का २ से २.५ मि०ली० प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर १५ दिन के अन्तराल पर छिड़काव करें।
- तापमान एवं अधिक नमी के कारण अठगोड़वा का प्रकोप पशुओं में बहुत अधिक होता है। यह अठगोड़वा थलेरियोसीस, ट्रिपैनोसोमिएसीस एवं बबेसियोसीस जैसे घातक रक्त परजीवी रोगो का वाहक होते है। इसलिए इस मौसम में इनके नियंत्रण के लिए आइवरमेक्टीन, फ्लूमेथ्रिन, अमितराज, इप्रिनोमेक्टीन दवाओं का प्रयोग पशु चिकित्सक के सलाह से करें। पशुओं के शरीर में दवा लगाने का काम सुबह या शाम में, जब धूप नहीं होता है, तभी करे। दवा लगाने के दो घंटे बाद पशुओ को ठंडे पानी से धो दे। दवा का प्रयोग पशु के सिर या गर्दन में नही करे। पशुओं में दवा लगाने के बाद उसी दिन ३० मि०ली० अमितराज या इप्रिनोमेक्टीन दवा को २ ली० पानी में घोल कर पशुगृह में छिड़काव अवश्य करें अथवा पशुगृह में सुखा चुना का घना छिड़काव करें।

आज का अधिकतम तापमानः ३८.४ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ४.० डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः २७.६ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से २.१ डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी